भारत सरकार **लोक सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **तारांकित प्रश्न सं. *329**

वाणिज्य विभाग

दिनांक 11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

महत्वपूर्ण क्षेत्रकों में आपूर्ति शृंखलाओं का विविधीकरण

***329. श्री सनातन पांडेय:**

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्रकों की पहचान की है जिनकी आपूर्ति शृंखलाओं में विविधीकरण की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी क्षेत्रक-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई कार्यनीति बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ख) एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

*****

''महत्वपूर्ण क्षेत्रकों में आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण" के संबंध में दिनांक 11.08.2026 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *329 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) और (ख) जी हां, सरकार ने ऊर्जा, उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तथा अन्य कार्यनीतिक विनिर्माण क्षेत्रों की पहचान की है, जिन्हें मजबूत आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन और विविधीकरण की आवश्यकता है। तीव्र आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, शहरीकरण, विनिर्माण और अवसंरचना विस्तार, तथा वैश्विक मूल्य-श्रृंखला में गहन एकीकरण के साथ भारत की महत्वपूर्ण औद्योगिक इनपुट की मांग बढ़ी है। कार्यनीति यह है कि वर्ष 2047 तक एक विकसित, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर एकीकृत अर्थव्यवस्था के विकसित भारत विजन के अनुरूप, घरेलू क्षमता को बढ़ाते हुए आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाई जाए।

प्रमुख उपायों में मेक इन इंडिया, उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं, भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम), राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम), ऊर्जा स्रोत विविधीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा और जैव ईंधन, कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार, दीर्घकालिक उर्वरक-इनपुट व्यवस्थाएं और व्यापार तथा निवेश जुड़ाव शामिल हैं।

भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताएँ निरंतर आर्थिक विकास, औद्योगिक विस्तार और बढ़ती खपत को दर्शाती हैं। सरकार घरेलू उत्पादन, ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, शोधन अवसंरचना, इथेनॉल मिश्रण और जैव ईंधन, कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रही है।

उर्वरक क्षेत्र में, वर्ष 2025 में कुल आवश्यकता का लगभग 73% घरेलू उत्पादन के माध्यम से पूरा किया गया था। सरकार घरेलू क्षमता को मजबूत कर रही है, प्रमुख कच्चे माल के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था कर रही है और किसानों को विश्वसनीय उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति स्रोतों में विविधता ला रही है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, दूरसंचार, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास का समर्थन करता है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 का उद्देश्य उपकरण, सामग्री,

बौद्धिक संपदा और आपूर्ति श्रृंखलाओं में क्षमताओं को मजबूत करना तथा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इकोसिस्टम विकसित करना है।

महत्वपूर्ण खनिज —जिनमें लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, ग्रेफाइट, दुर्लभ-पृथ्वी तत्व और तांबा शामिल है - स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और उन्नत विनिर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन का उद्देश्य घरेलू और विदेशी आपूर्ति सुनिश्चित करना तथा खोज और खनन से लेकर प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और उन्नत विनिर्माण तक की मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करना है। मुक्त व्यापार समझौते की वार्ताओं सहित व्यापार और निवेश संबंधों में भी महत्वपूर्ण खनिजों को प्राथमिकता दी जाती है।

14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए 1.91 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली पीएलआई योजनाओं का उद्देश्य विनिर्माण को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना, निर्यात को प्रोत्साहित करना, रोजगार पैदा करना और आयात पर निर्भरता कम करना है। दिनांक 31.03.2026 तक, 892 आवेदनों को मंजूरी दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 2.40 लाख करोड़ रूपये से अधिक का वास्तविक निवेश हुआ, 22.66 लाख करोड़ रूपये से अधिक का उत्पादन/बिक्री हुई, 8.4 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सहित 14.15 लाख से अधिक रोजगार सृजन और 35,354 करोड़ रूपये का संचयी प्रोत्साहन संवितरण हुआ। मुख्य क्षेत्रीय परिणाम निम्नवत हैं:

- मोबाइल फोन के उत्पादन में लगभग 2.4 गुना वृद्धि हुई; आयात में लगभग 77% की गिरावट आई, और भारत में उपयोग किए जाने वाले लगभग 99.2% मोबाइल फोन घरेलू स्तर पर निर्मित होते हैं।
- फार्मास्यूटिकल्स ने 3.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संचयी बिक्री दर्ज की और पहली बार 191 थोक दवाओं सहित 1,931 उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को सक्षम बनाया।
- 26 महत्वपूर्ण सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री में लगभग 55,000 एमटी की थोक दवा उत्पादन क्षमता स्थापित की गई थी।
- 22 चिकित्सा उपकरण आवेदकों ने परिचालन शुरू किया और 55 विशिष्ट चिकित्सा उपकरणों को चालू किया गया।
- दूरसंचार योजना ने स्वदेशी 4जी प्रौद्योगिकी और 5जी उपकरणों के लिए घरेलू विनिर्माण क्षमता का समर्थन किया।

- एयर कंडीशनर के महत्वपूर्ण घटकों के अधिक स्थानीयकरण के साथ कंप्रेसर की उत्पादन क्षमता वर्ष 2021 में 1 मिलियन यूनिट से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 10 मिलियन यूनिट हो गई है।

इन उपायों का उद्देश्य विश्वसनीय और विविध आपूर्ति श्रृंखलाओं, मजबूत घरेलू विनिर्माण और रणनीतिक कमजोरियों को कम करके भारत की विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

****